खबर संक्षेप

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए बड़ी राहत, 2 लाख की मिलेगी सहायता राशि

मण्डला। जिले में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के दौरान अनेक नागरिकों की मृत्यु एवं गंभीर चोट के प्रकरण सामने आते हैं। पूर्व में अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर मृतक के आश्रितों को सोलेशियम फंड से 25,000/- की राशि दी जाती थी। अब इसके स्थान पर "हिट एंड रन मोटरयान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना 2022" लागू की गई है, जिसके अंतर्गत सहायता राशि में महत्वपूर्ण वृद्धि की गई है। इस योजना के अंतर्गत अज्ञात वाहन से सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर मृतक के आश्रितों को 2,00,000/- (दो लाख रुपए) की सहायता राशि दी जाएगी। गंभीर रूप से घायल होने पर 50,000/- (पचास हजार रुपए) की आर्थिक सहायता का प्रावधान है। योजना की प्रभावी मॉनिटरिंग हेतु जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। पीड़ित/आश्रित निर्धारित प्रपत्र में तहसीलदार अथवा एसडीएम कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करना होगा। आवेदन के साथ बैंक खाते की छायाप्रति, अस्पताल के उपचार संबंधी दस्तावेज, घायल/मृतक की पहचान एवं पते से संबंधित अभिलेख संलग्न करना आवश्यक होगा। संबंधित थाना प्रभारी द्वारा एफआईआर की प्रति, मृत्यु होने पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, तथा गंभीर चोट की स्थिति में एमएलसी रिपोर्ट एवं अंतिम प्रतिवेदन तहसीलदार कार्यालय को उपलब्ध कराया जाएगा। दावा अधिकारी (तहसीलदार/एसडीएम) द्वारा 30 दिवस के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। कलेक्टर द्वारा 15 दिवस के भीतर आदेश पारित कर सहायता राशि का भुगतान कराया जाएगा तथा प्रकरण की रिपोर्ट परिवहन आयुक्त को भेजी जाएगी।

व्यापारियों की तौली जा रही धान, किसानों को करना पड़ रहा इंतजार

उपार्जन केन्द्रों में हावी अव्यवस्था

*** परिवहन नहीं होने से बढ़ रही समस्या।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के धान उपार्जन केन्द्रों में इस समय धान के बोरे ही बोरे नजर आ रहे हैं स्थिति यह होती जा रही है कि किसानों की आ रही धान को रखने के लिये स्थान नहीं मिल रहा लेकिन दूसरी ओर व्यापारियों की धान रोजाना आ भी रही है तुल भी रही है और उसका चुनिंदा खातों में समायोजन भी हो रहा है। वह तो फिलहाल मौसम साथ दे रहा है लेकिन कहीं मौसम प्रतिकूल हुआ तो निश्चित रूप से खुले में इतनी बड़ी मात्रा में रखी किसानों की उपज खराब होने में समय नहीं लगने वाला।

और यह सब कुछ एक षड़यंत्र भी नजर आ रहा है कि धान की गुणवत्ता प्रतिकूल मौसम के चलते खराब होती है तो फिर पहले से ही जो गुणवत्ताहीन धान उपार्जित की गई है उस पर कोई प्रश्न खड़ा नहीं करेगा। कहने का आशय कि पुरानी गलती पूरी तरह साफ हो जायेगी और खरीदी केन्द्र प्रभारी पर किसी तरह की जांच नहीं होने वाली। ज्ञात हो कि गुणवत्ताहीन धान जब परिवहन होकर वेयरहाउस जाती है तो वहां से इस तरह की धान वापिस होने की खबरें भी प्रकाशित हुई हैं अब शायद आपसी सामंजस्य से इस गुणवत्ताहीन धान को सुलटाने का प्रयास किया जा रहा है।

रकबा बढ़ाकर हुआ पंजीयन

पंजीयन के समय कम्प्यूटर ऑपरेटर और लेम्प्स कर्मचारियों की मिलीभगत से बहुत से किसानों का रकबा बढ़ाकर पंजीयन किया गया और इस बढ़े रकबे पर अब व्यापारियों की धान समायोजित की जा रही है इस पूरे मामले में सीधे-सीधे 400 से 500 रूपये क्विंटल मुनाफा हो रहा है जो खरीदी केन्द्र से संबंधित जिम्मेदारों के जेब में जा रहा है। बहुत से किसानों ने मौखिक और लिखित रूप से इसकी शिकायत की लेकिन फिलहाल कोई जांच होती नजर नहीं आ रही।

ज्यादा तौली जा रही धान

किसानों की धान 40.600 किलोग्राम तौलने के आदेश हैं लेकिन अधिकांश खरीदी केन्द्रों में 40.800 एवं 41 किलोग्राम धान ली जा रही है शाम को अतिरिक्त धान निकाल ली जाती है और 40.600 किलोग्राम भरती वाली बोरी ही परिवहन के लिये रखी जा रही है।

ऊपर से किस बात का लिया जा रहा पैसा

किसानों की उपज को तौलने भरती करने जैसे कामों का पैसा खरीदी केन्द्र प्रभारी को सरकार द्वारा दिया जाता है इसके बावजूद किसानों से प्रति क्विंटल 15 से 25 रूपये वसूले जा रहे हैं जो किसान यह राशि नहीं देने तैयार होते उनके भुगतान की प्रक्रिया एवं उनकी धान तुलाई में अनावश्यक विलम्ब किया जाता है और उन्हें मजबूरन यह राशि देनी पड़ रही है।

क्या निरीक्षण की निभाई जा रही औपचारिकता

ऐसा नहीं कि धान उपार्जन केन्द्रों में अधिकारियों का भ्रमण न हो रहा हो और अधिकारीगण इस अव्यवस्था वाकिफ न हो लेकिन प्रत्यक्ष रूप से जब अधिकारी उपार्जन केन्द्रों में पहुंचते हैं तो इसकी सूचना पहले से ही उपार्जन केन्द्र के जिम्मेदारों को हो जाती है जिसके चलते थोड़ी देर के लिये व्यवस्थायें ठीक कर ली जाती है और अधिकारी भी निरीक्षण की औपचारिकता निभाकर चले जाते हैं। इन्हीं सब अनदेखियों का परिणाम है कि जिला पंचायत की सदस्य जो कि सहकारिता की सभापति भी हैं उन्हें धरने पर बैठना पड़ रहा है इसके बावजूद व्यवस्था जस की तस है।

घुघरी में व्यापारी के मकान से सोना-चांदी व नकदी चोरी

*** अज्ञात आरोपी पर मामला दर्ज।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/घुघरी

थाना घुघरी क्षेत्र अंतर्गत बाजार वार्ड में अज्ञात चोरों द्वारा एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए सोना-चांदी के आभूषण एवं नकदी चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बाजार वार्ड घुघरी निवासी संतोष कुमार कसार, पिता स्वर्गीय जुगलकिशोर कसार, साप्ताहिक बाजार में बर्तन की दुकान लगाते हैं। फरियादी ने बताया कि 29 दिसंबर 2025 को घुघरी में मेला आयोजित था, जहां दुकान लगाने के बाद वे रात लगभग 10:30 बजे घर लौटे। बर्तन घर के अंदर रखने के बाद परिवार के साथ भोजन कर उन्होंने रात करीब 11:30 बजे घर का मुख्य दरवाजा व सामने का शटर बंद कर सो गए।

30 दिसंबर 2025 की सुबह करीब 7 बजे उठने पर उन्होंने देखा कि घर के पीछे का दरवाजा खुला हुआ था। जिस कमरे में लोहे की अलमारी रखी थी, उसका पल्ला खुला हुआ था और सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात एवं नकदी गायब पाए गए।

चोरी गए सामान में सोने का हार, झाले, चूड़ियां, पेंडल, अंगूठी, चांदी की करधन, चांदी की पायल सहित 27,000 रुपये नगद शामिल हैं। कुल मिलाकर लगभग 9 तोला 8 ग्राम सोना एवं 64 तोला चांदी चोरी होना बताया गया है। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत करीब 4 लाख 14 हजार रुपये बताई जा रही है।

पीड़ित व्यापारी द्वारा 01 जनवरी 2026 को अपनी पत्नी के साथ थाना घुघरी पहुंचकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है।

इनका कहना है -

पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहें हैं। विवेचना जारी है जल्दी ही चोर पुलिस की गिरिप्त होंगे।

-पूजा बघेल,
पीआई, घुघरी, मण्डला

खरीदी केन्द्रों पर धान की सुरक्षा को लेकर जवाबदेही तय

मण्डला। हर सोमवार आयोजित टाइम लिमिट बैठक में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने जिले की प्राथमिक योजनाओं एवं व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए धान खरीदी केन्द्रों पर सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें। खरीदी केन्द्रों पर धान व्यवस्थित ढंग से रखा जाए। बारिश की संभावना को ध्यान में रखते हुए हर केन्द्र पर पर्याप्त तिरपाल की व्यवस्था अनिवार्य हो, ताकि धान भीगने न पाए। नागरिक आपूर्ति निगम, जिला आपूर्ति अधिकारी, सहकारिता आयुक्त एवं समितियां संयुक्त रूप से व्यवस्थाओं की निगरानी कर सुनिश्चित करें। साथ ही जिले में पंजीकृत किसानों से कोदो-कुटकी उपार्जन के लिए व्यवस्थित एवं पारदर्शी प्रणाली स्थापित करने के निर्देश भी बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि खाद्यान्न व सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जिले में शत-प्रतिशत खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित किया जाए। राशन दुकानों से निर्धारित समय पर खाद्यान्न का वितरण हो। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला योजना भवन में विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाले मुख्य समारोह, परेड, ध्वजारोहण, झांकी, विशिष्ट अतिथियों के मंच पर बैठक व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, साफ-सफाई, विद्युत, स्वास्थ्य एवं आपातकालीन सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम गरिमापूर्ण, अनुशासित एवं निर्बाध रूप से संपन्न होना चाहिए। समस्त शासकीय भवनों एवं कार्यालयों में रात्रि में प्रकाश की व्यवस्था, विद्यालयों में विशेष मध्यान्ह भोजन भी किया जायेगा।

पुलिस अधीक्षक श्री सकलेचा ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा परेड, वीआईपी मूवमेंट एवं आमजन की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर निर्झरिणी महोत्सव को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। आयोजन स्थल की तैयारी, सांस्कृतिक व लोककलाओं की प्रस्तुति, स्वच्छता, सुरक्षा एवं जनसुविधाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गणतंत्र दिवस की संध्या पर हर वर्ष की भांति 'भारत पर्व' का आयोजन किया जायेगा। जिसमें भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और देशभक्ति पर आधारित प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी।बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए कहा गया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और गणतंत्र दिवस समारोह जिले में उत्साह एवं गौरव के साथ मनाया जाए।

मण्डला। श्री गुरुगोविंद सिंह जी जयंती के उपलक्ष्य में श्री गुरुद्वारा साहिब में दिनाँक 4/1/26 रविवार को अमृतवेला में श्री जप जी साहिब जी का 30 घंटे का अखंड पाठ प्रारंभ किया गया, जिसका भोग साहिब दिनाँक 5/1/26 सोमवार को संपन्न हुआ तत्पश्चात भजन, कीर्तन, आरती अरदास कर सारी संगत के लिए लंगर प्रसाद की व्यवस्था की गई।

सृजन कार्यक्रम अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मण्डला। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मण्डला में सृजन कार्यक्रम अंतर्गत आत्मरक्षा लैंगिक सकारात्मक कार्यों एवं नेतृत्व पहल के माध्यम से किशोर और किशोरियों के सशक्तिकरण के लिये जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें श्री चंद्रहास पटेल एवं द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को आत्मरक्षा और सशक्तिकरण के लिए बालिकाओं को सेक्सुअल हैरेस्मेंट से बचाव, जेंडर सेंसीटाईजेशन, पॉक्सो एक्ट एवं शासन की योजनाओं के बारे में बताया गया। साथ ही वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले द्वारा बाल विवाह रोकथाम के बारे में बताकर छात्रों को सशक्त किया गया। साथ ही महिलाओं और बलिकाओं के लिये संचालित आपातकालीन और गैर आपातकालीन सेवाओं तक त्वरित पहुंच सुविधा के लिये आवश्यक हेल्पलाइन 181 महिला हेल्पलाइन, चाइल्ड हेल्पलाईन नं. 1098, सायबर क्राईम से बचाव के लिये साइबर हेल्पलाईन नंबर 1930 एवं डायल 112 के उपयोग के बारे में बताया। विधिक प्राधिकरण सेवा जिला मण्डला से पी.एल.वी. श्रीमती शिखा श्रीवास्तव द्वारा छात्रों को कानून के प्रति सजग रहने के साथ ही विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लोगों को दी जाने वाली सहायतों एवं विधिक सहायता प्राप्त करने के लिए टोल फ्री नं. 15100 की जानकारी दी गई।

बदहाली | 15 वर्ष पूर्व लाखों खर्च कर कराई गई थी सफाई।

पूर्ण जीर्णोद्धार की राह देखती श्रीराम मंदिर बावली

*** अतिक्रमण के चलते बनी कूड़े घर जैसी स्थिति।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/निवास

नगर के हृदय स्थल के बीच स्थित ऐतिहासिक श्रीराम व राधा कृष्ण मंदिर के बाजू में बनी बावली आज भी अपना प्राचीन मूर्तरूप पाने के इंतजार में है।

ज्ञात हो कि पंद्रह वर्ष पूर्व निवास ग्राम पंचायत थी, तब पंचायत फंड से इसके जीर्णोद्धार के लिये दो बार में कई लाखों की राशि खर्च कर मलवा और गंदा पानी निकाला गया था और फिर अज्ञात कारणों से यह कार्य बंद कर दिया गया था।

पश्चात निवास के नगर परिषद बन जाने के बाद एक बार पुनः इसके जीर्णोद्धार हेतु प्रयास हुआ लेकिन इसमें भी सफलता नहीं मिली, और यह ऐतिहासिक श्रीराम बावली अपनी दुर्दशा से निजात पाने शासन प्रशासन व जन प्रतिनिधियों की राह वैसे ही निहार रही है जैसे माता सबरी ने भगवान श्रीराम से अपना उद्धार पाने राह निहारी थी।

निवास के सम्मानीय प्रत्यक्षदर्शी बुजुर्गों के अनुसार उक्त बावली (बिहर) के चारों ओर चार छोटे कुंवे और मध्य में एक बड़ा कुआँ है जिनके ठंडे और स्वच्छ जल स्त्रोतों से यह बावली सदैव भरी रहती थी,और श्रद्धालुओं द्वारा इसी का निर्मल जल मूर्तियों में चढ़ाया जाता था।

लेकिन समय गुजरा जनसंख्या के साथ बसाहट बढ़ी और यह मंदिर परिषर व बिहर भी अतिक्रमण की चपेट में आ गया, इस स्थिति में तत्कालीन जिम्मेदारों से लेकर आज के नेतागण व परिषद की इच्छा शक्ति की कमी कहें या स्वार्थ के नाम की राजनीति के चलते उक्त बावली आज भी कूड़ेदान ही बनी हुई है, जिसमें गैरजिम्मेदार लोग कचरा फेकने से परहेज नहीं कर रहे।

नगर व क्षेत्रीय जन मांग है कि ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थलों के संरक्षक जिला कलेक्टर मंडला नगर परिषद निवास से संवाद कर उक्त बावली के निर्माण में अब तक खर्च की गई राशि का जायजा लेते हुये पुनः सफल निर्माण की पहल करें जिससे भगवान श्रीराम मंदिर से सटी यह बावली अपना वास्तविक स्वरूप प्राप्त कर सके।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस स्टाफ को किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा के निर्देशन एवं सतत पर्यवेक्षण में थाना बिछिया पुलिस द्वारा वन्यजीव अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई थी। दिनांक 28/01/2024 को थाना बिछिया पुलिस ने सटीक सूचना एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए बाघ की खाल के साथ पाँच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इस संबंध में थाना बिछिया में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आगे की विधिक कार्यवाही की गई थी। इस सराहनीय कार्य और दक्षता के लिए वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो, नई दिल्ली द्वारा तत्कालीन पुलिस टीम को नगद पुरस्कार एवं प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है। एसडीओपी बिछिया सौरभ तिवारी द्वारा थाना बिछिया में आयोजित सम्मान समारोह में पुलिस स्टाफ को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

खबर संक्षेप

नियमों का पाठ पढ़ाने वाली ही तोड़ रहे नियमों की धज्जियां, आम पब्लिक से पालन करने की क्या उम्मीद की जा सकती है

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शासन द्वारा हर विभाग में अलग अलग नियम बनाते हुए उनका पालन करना सभी के लिए अनिवार्य किया गया है, इसी प्रकार से रेल विभाग द्वारा बनाये गये नियमों का पालन करने के लिए आये दिन सख्त हितायत देते हुए नियमो को तोड़ने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही का भी प्रावधान बनाया गया है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो बगैर किसी ठोस कारण के ट्रेन को रोकने व रेल पटरी पार करने सहित रेल विभाग के अन्य नियम बनाये गये है और यदि कोई इन नियमों का पालन नही करता है तो रेल विभाग द्वारा उसके व्यक्ति विशेष के खिलाफ कार्यवाही करते हुए दंडित भी किया जाता है? मगर अब सबाल यह उठता है कि जब नियमों का पालन कराने के लिए आम लोगों को पाठ पढ़ाने वाले ही उन नियमों की धज्जियां उड़ाने लगे तो फिर आम पब्लिक से क्या उम्मीद की जा सकती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते दिवस उस समय देखने मिली जब स्थानीय रेल्वे स्टेशन पर कुछ वर्दीधारी ही नियमों को दर किनार करते हुये खुलेआम रेल पटरी पार करने से नही चूक रहे थें इस सच्चाई को देखकर लोग यह बात कहने से नही चूक रहे थें कि क्या रेल विभाग द्वारा बनाये गये नियम मात्र आम जनता के लिए ही होते है...? क्योंकि जब हम रेल्वे स्टेशन पर पहुंचते है तो वहां पर लगे हुये स्पीकरों से यह सूचना आये दिन सुनते है कि पैदल रेल पटरी पार करना नियम विरूद्व है और यदि कोई व्यक्ति पैदल रेल पटरी पार करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जावेगी, वही दूसरी ओर जिस प्रकार से विभाग के ही अधिकारियों व बर्दीधारी ही खुलेआम रेल पटरी पैदल पार करते हुए देखा गया तो लोग यह बात कहने से नही चूक रहे थें कि नियम सिर्फ आम जनता के लिये होते है विभाग के अधिकारी व कर्मचारी कुछ भी करते हुये उन्हें सभी प्रकार की छूट प्रदान की जाती है।

श्यामा मालानी का निधन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर के प्रतिष्ठित मालानी परिवार की श्रीमति श्यामा देवी मालानी का बीते हुये दिवस निधन हो गया। वही हरिशंकर, गोविंद व मुरली मालानी की माताश्री थी। स्व. श्यामा मालानी की शव यात्रा में नगर के अनेक लोगों ने शामिल होकर अपने श्रद्वासुमन अर्पित किये।

टुल्लू पंप कम कर रहे जल का प्रवाह कम, गरीबों के नलों से निकल रही हवा?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। हर वर्ष लगातार गिरते हुए जल स्तर से जहां लोगो को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। वही लोगों के घर ही जल व्यवस्था सार्वजानिक नलो पर ही आश्रित होती जा रही है..? नगर में नपा. द्वारा संचालित जल वितरण व्यवस्था को नगरवासियो द्वारा टुल्लू पंपो का प्रयोग कर नलो के जल प्रवाह को कम कर रहे है। वही दूसरी ओर टुल्लू पम्प के प्रयोग से दूसरों के हिस्से का पानी भी छीन लेते है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस वर्ष अच्छी बारिश न होने के कारण लगातार गिरते हुये जल स्तर के कारण नगर के अनेक क्षेत्रो में जल संकट की स्थिति निर्मित होने लगी है? नगर में अधिकतर लोगो के यहां जल आपूर्ति नपा की शासकीय नलो की माध्यम से होती है। परंतु बिना मशक्कत के ज्यादा पानी प्राप्त करने के लालच के कारण नागरिको द्वारा खुलेआम घर के बाहर नलो पर टुल्लू पंपो का प्रयोग किया जा रहा है, जिसके कारण नगर की जल आवंटन व्यवस्था पूरी तरह गड़बड़ाती हुई नजर आ रही है। बताया जाता है कि जिस वक्त नल आते है उसी समय नगर में घूमकर देखा जाये तो पता चल जायेगा कि सैकड़ो की तादाद में नलो से जुड़े हुये टुल्लू पंप दुसरो के हिस्से के पानी पर किस तरह डाका डाल रहे है। नगर के गरीब तबके लोगो के घर की जल व्यवस्था सार्वजानिक नलो पर आश्रित रहते है, स्वाभाविक रूप से गर्मी के दिनों में पानी अधिक खर्च होता है।

नये वर्ष के पहले सप्ताह में सालीचौका चौकी पुलिस के हाथ लगी बड़ी सफलता, चोरी की गई ट्रालियों सहित आरोपियों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

कहा जाता है कि जब समाज के पेहरेदार अपने कार्य को निष्ठा के साथ करने पर उतारू हो जाते है तो सफलता हाथ लगने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई सालीचौका पुलिस चौकी टीम में देखने मिली है जिन्होंने चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपियों को पकड़ने के साथ साथ जंगल में छिपाकर रखी गई चोरी की ट्रालियों को खोजने में भी एक बड़ी सफलता हासिल की गई है। घटना के संबंध में पुलिस द्वारा खुलासा करते हुये बताया है कि बीते हुये दो तीन जनवरी की दरम्यानी रात समीपस्थ नर्मदा शुगर मिल के पास बैल्डिग वर्कशाप से अज्ञात चोरों द्वारा चार नगर जुगनू ट्राली चोरी करने की घटना सामने आई हुई थी। इस तरह घटना की गंभीरता को ध्यान में रखते हुये सालीचौका पुलिस चौकी प्रभारी वर्षा धाकड़ द्वारा प्रार्थी की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। वही दूसरी ओर जिला पुलिस अधीक्षक ऋषिकेष मीना द्वारा आरोपियों को शीर्घ गिरप्तार करने के आदेश दिये जाने पर अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के दिशा निर्देशन व उप पुलिस अधीक्षक तथा नगर निरीक्षक विक्रम रजक के मार्ग दर्शन में आरोपियों की खोजबीन के लिये एक टीम का घटना किया गया था। इस तरह टीआई विक्रम रजक के नेतृत्व में बनाई गई टीम में मुख्य रूप से सालीचौका चौकी प्रभारी उप निरीक्षक वर्षा धाकड़, सहायक उप निरीक्षक विक्रम परमार के आलवा प्रधान आरक्षक मनोज भारद्वाज, आरक्षक जमना प्रसाद रजक, हरिशंकर पटवा तथा सैनिक हेमराज सिंह, रमेश शुक्ला, सुभाष सोनी, शीतल पुरी को शामिल किया गया था। बनाई गई हुई इस टीम द्वारा अपने मुखबिर तंत्र को संक्रिय किये जाने के बाद मिली सूचनाओं के चलते संदेह के आधार पर अशोक रोकडे तथा रमजान शेख दोनों निवासी ग्राम रहाडी, जिला नासिक, (महाराष्ट्र) को हिरासत में लेते हुये पूछताछ की गई तो शुरूआती तौर पर आरोपी चोरी की घटना को लेकर पुलिस को गुमराह करते रहे। मगर कहा जाता है कि जब पुलिस अपनी पर आती है तो मुर्दे भी बोलने लगते है...? इसी प्रकार से संदिग्धों द्वारा ट्रालियों को चोरी करने की बात स्वीकार करते हुये बताया कि दो ट्रेक्टरों के माध्यम से जंगल क्षेत्र में छिपाकर रखा गया है। इस तरह पुलिस द्वारा आरोपियों के बताये अनुसार जब चांवलपानी क्षेत्र के जंगल क्षेत्र में सर्चिग अभियान चलाया गया तो आरोपियों द्वारा चोरी की गई चारों ट्रालियों के साथ उन्हें खींचकर ले जाने वाले नीले रंग के दो फार्माटेक ट्रेक्टरों को भी जप्त करने में सफलता हासिल की गई है। इस तरह से देखा जावे तो नये वर्ष के पहले ही सप्ताह में दौरान सालीचौका पुलिस चौकी टीम को घटना के मात्र 48 घंटे के उपरांत ही एक बड़ी चोरी की घटना को पकड़ने में सफलता हाथ लगने के साथ साथ आरोपियों के पास से लगभग 25 लाख से अधिक कीमत की चोरी की गई सामग्री भी जप्त कर ली गई है। वही पकड़े गये आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये गिरप्तार करने के बाद मा. न्यायालय के समक्ष पेश करते हुये रिकार्ड पर लेकर पूछताछ की गई जा रही है जिससे अनुमान है कि शायद अन्य चोरों का राज भी खुल सकता है...?

ठंड व कोहरे की चादर ने लोगों को अपने घरों में कैद होने के लिये किया मजबूर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। अचानक मौसम में हुये बदलाब के बीच जिस तरह बीते हुये दिनों से आसमान पर कोहरे की चादर ने लोगों को अपने घरों से निकलना मुश्किल कर दिया गया है। हाल यह बना हुआ है कि जहां लोग अपने घरों से नही निकल पा रहे है तो दूसरी ओर इससे मजदूर बर्ग के लोगों को अधिक परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि वह रोज कमाते हुये खाने के भरोसे रहते है। मगर तेज ठंड के चलते वह काम नही कर पा रहे है। वही दूसरी ओर किसानों को भी इस तेज ठंड ने परेशानी में डालने में कोई कसर नही छोड़ी गई। हाल यह बना हुआ है कि जहां तहां लोग लकड़ी जलाते हुये ठंड से बचाव करते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर कोहरा रहने के चलते अनेक जगहों पर सड़क दुर्घनाये घटित होने की खबरे भी मिलने से नही चूक रही है। क्योंकि दिन के समय जब कोहरे का हाल यह देखा जा रहा है कि सामने से आने वाले वाहन को चालक नही देख पाते है तो फिर रात के समय सड़को पर वाहन चलाना खतरे से खाली नही रह पा रहा है।

नयागांव सहित ग्राम भौरझिर में शासकीय चारागाह मद की भूमि को प्रशासन ने कराया अतिक्रमण मुक्त

हरिभूमि न्यूज/गाडवारा।

शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों द्वारा जिस तरह शासकीय भूमि को अपने कब्जे में किया जा रहा है उसका परिणाम है कि जहां मवेशियों को चरने के लिये जगह उपलब्ध नही हो पा रही है और अनेक जगहों का हाल तो इस तरह बना हुआ है कि किसानों को अपने खेतों में आने जाने के लिये भी रास्ते बंद हो चुके है। इस तरह की शिकायते मिलने के चलते बीते हुये जिला कलेक्टर के आदेश पर समीपस्थ ग्राम नयागांव व ग्राम भौरझिर में अधिकारियों द्वारा शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। बताया जाता है कि जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में राजस्व निरीक्षक मंडल बोहानी के ग्राम नयागांव में शासकीय रास्ता मद की भूमि पर कब्जा होने के चलते लोगों को आने जाने में हो रही परेशानियों के चलते अतिक्रमण मुक्त कराते हुये रास्ता खोला गया है। इसी प्रकार से ग्राम भौरझिर में शासकीय चारागाह मद की भूमि को भी अतिक्रमण मुक्त किया गया। बताया जाता है कि ग्राम नयागांव राजस्व निरीक्षक मंडल बोहनी में शासकीय रास्ता मद की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित शौचालय तथा चबूतरे को जेसीबी की सहायता से अतिक्रमण मुक्त कर ग्राम पंचायत को सौंपा गया है। इसी तरह ग्राम भौरझिर राजस्व निरीक्षक मंडल बोहनी मे शासकीय चारागाह मद की भूमि पर फसल लगाकर किए गए 35 एकड़ अतिक्रमित शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर ग्राम पंचायत को सौंपी। कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार बोहनी नीलम श्रीवास, गाडरवारा थाना प्रभारी विक्रम रजक, चौकी प्रभारी सिहोरा विजय पाल सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थें।

साईखेड़ा से छींद धाम के लिए 14वीं पद यात्रा रवाना दादा की भक्ति के रंग में रंगी धूनी नगरी

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

प्रतिवर्ष के अनुसार नये वर्ष की पावन बेला पर नगर के दादा भक्तों द्वारा सांईखेड़ा नगर के सिद्व हनुमान मंदिर से पैदल छींदधाम के लिये दादा भक्तों का एक जत्था रवाना हुआ। बताया जाता है कि क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की मंगल कामना को लेकर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली छींद धाम पदयात्रा इस वर्ष भी श्रद्धा और उल्लास के साथ शुरू हुई। नगर के अखाड़े वाले हनुमान मंदिर से यह यात्रा बीते हुये 13 वर्षो से लगातार चली आ रही है। इस प्रकार यह 14वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दादा भक्तों ने बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर थिरकते हुए अपनी यात्रा का शुभारंभ हुआ। अखाड़े वाले हनुमान मंदिर में विशेष पूजन-अर्चन के बाद जैसे ही पदयात्रा नगर के मुख्य मार्गों पर पहुँची, श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रियों का आत्मीय स्वागत किया। यात्रा के दौरान पूरा नगर 'जय श्री राम' और 'हनुमान जी के जयकारों' से गुंजायमान रहा। भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था, जहाँ युवा, बुजुर्ग और बच्चे सभी भक्ति भाव में डूबे नजर आए। यात्रा का शुभारंभ अखाड़े वाले दादा के मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख धार्मिक स्थलों से गुजरी। यात्रियों ने धूनी वाले मंदिर और नर्मदा तट में पूर्ण विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया।

अभी तक नहीं बदली शुक्रवारा बजारिया की तस्वीर

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। बदले दौर में शहर के बाजार का विस्तार होने के बावजूद शहर के शुक्रवारा बाजार की उस बजारिया की तस्वीर दुर्भाग्य से अभी तक नही बदल पायी है, जिसमें अधिकतर टीन का काम कर जीविका चलाने वाले, टेलर,केशकल्पी, मानिहारी की सामग्री बेचने वाले लोग पूरी ताकत से मेहनत कर अपनी रोजीरोटी चलाते है। गौरतलब है कि इस बजरिया में संकीर्णता होने की स्थिति में बहुत सी छोटी अव्यवस्थित दुकानो का जाल फैला हुआ है और ग्राहको की भीड़ अधिक होने पर उक्त बजारिया में आवागमन करना कठिन हो जाता है, इस शुक्रवारा बजारिया में अनेक लोग बीते हुई कई वर्षो से अपनी दुकाने चला रहे व्यापारियो ने बताया कि वे तरतीब से इस बजारिया में दुकाने बनने का लम्बे समय से इंतजार कर रहे है मगर बदनसीबी से उनका यह अरमान पूरा नहीं हुआ है, जिसका परिणाम है कि वे बजारिया में मूलभूत सुविधाओं की कमी की समस्या झेलते हुए बाबा आदम के जमाने की बनी बेनूर दुकानो का संचालन कर अपने परिवारजनो का भरण पोषण करने मजबूर है, उनका कहना है कि क्षेत्र में लगातार विकास होने के बाद भी नगर की इस शुक्रवारा बजारिया की दशा में बदलाव करने अभी तक प्रशासन ने प्रयास नही किए है, उन्होने शासन प्रशासन से गुहार लगायी है कि शुक्रवारा बजारिया का कायाकल्प करने की दिशा में शीघ्र पहल की जाए।

क्षेत्र में बढ़ रही किसानों के कृषि यंत्रों के चोरी होने की घटनाएं, चिंता में देखे जा रही क्षेत्र के किसान

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर।

इस समय जिस प्रकार से डोगरगांव पुलिस थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं घटित हो रही है उसके चलते क्षेत्र के लोग लगातार दहशत की स्थिति में तो देखी ही जा रहे है। वही दूसरी ओर पूर्व में घटित हुई अनेक बडी चोरी की घटनाओं का खुलासा करने में पुलिस सफलता जहां चर्चा का विषय बनी हुई है। मगर अब स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि किसानों के खेतों पर रखे हुए कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं में बढ़ोत्तरी होने के कारण किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है? क्योंकि इस समय चल रहे कृषि कार्य के सीजन के चलते किसानों को सिंचाई हेतु मुश्किल से ही बिजली मिल पा रही है जिसके चलते किसान अपने खेतों में लगी हुई फसलों की सिंचाई बगैर ठंड की परवाह किये करने में लगा हुआ है। मगर जब देखा जाता है कि किसान अपने खेतों से थोडी देर के लिए जब अलग होता है तो वहां पर रखे हुए कृषियंत्रों पर अपने हाथ साफ करने वाले कोई मौका नही छोड़ रहे है जिसके चलते क्षेत्र के किसान दहशत में देखे जा रहे है इस प्रकार से किसानों के कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं के चलते जहां क्षेत्र के किसानों को आर्थिक क्षति का सामना तो करना ही पड़ रहा है, वही दूसरी ओर उनके कृषि कार्यो में भी काफी व्यवधान पैदा हो रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने मिल रही है, वही दूसरी ओर बताया जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में धडल्ले से चल रहे शराब के अवैध कारोबार का परिणाम ही है कि इस प्रकार से चोरी जैसी घटनाएं आम होती जा रही है? क्योकि इस भीषण महंगाई के दौर में जब युवाओं को इस प्रकार से नशे की लत लग जाती है और उसे पूरी करने के लिए युवाओं के पास जब धन का आभाव होता है तो वह इस प्रकार से चोरी जैसे कदम उठाते हुए अपनी लत को पूरी करने से नही चूकते है? इस संबंध में लोगों का कहना है कि यदि गांव गांव बिक रही अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लग जावे तो निश्चित ही इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लगने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? वही किसानों के खेतों से लगातार हो रहे कृषियंत्रों की चोरी की शिकायते करने के बाद जब सिहोरा पुलिस चौकी से संपर्क किया जाता है तो उनके द्वारा कहा जाता है कि चोरों की खोजबीन जारी है, मगर अभी तक कोई पता नही चल पाया है?

सोया प्लांट के पास सड़क पर बहने वाले पानी पर नपा अध्यक्ष ने दिखाई सजगता

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर से कामती की ओर जाने वाला मार्ग जहां स्टैट हाईवे के रूप में जाना जाता है जिसके चलते निश्चित तौर से इस मार्ग से प्रतिदिन आसपास के गांवों के आलवा प्रदेश के कौने कौने में रहने वाले लोगों का निकलना होता है। मगर इस मार्ग के सोया प्लांट के पास जिस तरह से कालोनी से निकलने वाला नालियों का गंदा पानी मुख्य मार्ग याने की राज्य स्तरीय मार्ग पर बहते हुये देखा जा रहा था उसके चलते आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के साथ साथ नगर व क्षेत्र की स्वच्छता पर भी सबाल खड़े करने से नही चूक रहा था। इस सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा द्वारा इस समस्या को गंभीरता से लेते हुये मौके पर मशीन भेजते हुये सड़क पर बहने वाले पानी का उचित प्रबंध कराया गया। वही उन्होने ने कहा कि जल्द ही अपने स्तर पर सड़क के दोनों और नाली निर्माण के लिए प्रयास करते हुये स्थाई व्यवस्था बनाई जावेगी।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Jabalpur Narmada Bhoomi - 28 Dec 2025 - Page 2
स्टेट हाईवे ठंड के दिनों में दिखाई दे रहे बारिश के नजारे

अचानक ट्रेक्टर रोके जाने से घायल हुआ बाइक चालक

गाडरवारा। लोग जब रास्तों पर अपने बड़े वाहन चला रहे होते है तो उनके द्वारा लापरवाही पूर्वक अचानक अपने वाहन को रोकने से दुर्घटना घटित होने से नही चूक पाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम नरसरा में देखने मिली। घटना के संबंध में ग्राम नरसरा निवासी एक बाइक चालक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैं अपने खेत से मोटर साइकल MP49ZB3109 से घर जा रहा था तभी रास्ते में स्कूल के पास मेरे आंगे सोनालिका नीले रंग का ट्रेक्टर रोड पर चल रहा था जो ट्रेक्टर ड्राईवर द्वारा रास्ते पर अचानक लापरवाही पूर्वक ट्रेक्टर रोक दिया जिससे मेरी मोटर साइकल ट्रेक्टर के कल्टीवेटर में जाकर टकरा गई और मैं मोटर साइकल सहित कल्टीवेटर पर गिरने के चलते बाइक चालक को चोटे आने पर पुलिस द्वारा आरोपी ट्रेक्टर चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

खबर संक्षेप

विद्युत लाईन बिछाने के लिए ठेकेदार ने काट दिये 25 पेड़

डिंडौरी। ग्राम पंचायत उदरी में हाईटेंशन विद्युत लाइन बिछाने वाले ठेकेदार ने किसानों की निजी भूमि में लगे फलदार सहित अन्य पेड़ों को बगैर सहमति के कटवा दिया है। जिसकी शिकायत किसान ने विगत दिन कलेक्टर कार्यालय में करते हुये कार्रवाई सहित मुआवजा राशि दिलाये जाने की मांग की है। की गई शिकायत में रेखचंद पिता दलपत और महेश पिता गनपत निवासी ग्राम उदरी ने लेख किया है, कि पटवारी हल्का नम्बर 56 ग्राम लुटगांव में उनके स्वामित्व की भूमि है जिसमें खमेर, बेर, बबूल, जामुन, सहित अन्य पेड़ लगे हुए थे लेकिन हाई टेंशन लाइन बिछाने के लिए ठेकेदार द्वारा बगैर सहमति के ही पेड़ों को कटवा दिया गया है इस दौरान खेत में फसल भी लगी हुई थी। पेड़ काटने के दौरान वह भी नष्ट हो गई। किसानों ने मांग की है, कि फसल क्षतिपूर्ति राशि के साथ पेड़ों का भी मुआवजा दिलाये जाने की मांग की गई है।

जिले की बेटियों ने रचा इतिहास, नेशनल सेपकटाकरा चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

डिंडौरी। डिंडौरी जिले की होनहार बालिकाओं देवंती पुषाम एवं अभिलाषा परस्ते ने 29 वीं जूनियर सेपकटाकरा किक वॉलीबॉल नेशनल चैंपियनशिप 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित कर जिले एवं प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता 01 जनवरी से 05 जनवरी 2026 तक जालंधर, पंजाब में आयोजित की गई। कलेक्टर डिंडौरी अंजू पवन भदौरिया एवं सहायक आयुक्त राजेन्द्र जाटव के निर्देशन में टीम डिंडौरी ने प्रतियोगिता में सहभागिता की। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश की ओर से बालिका डबल इवेंट में कन्या क्रीड़ा परिसर सांदीपनी स्कूल, शहपुरा की खिलाड़ी देवंती पुषाम एवं अभिलाषा परस्ते ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता के दौरान दोनों बालिकाओं ने पहले राउंड में झारखंड, इसके बाद नागालैंड, उत्तर प्रदेश तथा फाइनल मुकाबले में पश्चिम बंगाल को पराजित करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। प्रदेश सचिव सेपकटाकरा एसोसिएशन प्रतीक केशरवानी, पीटीआई कोच आशीष मिश्रा, कोच रामा साहू, अनुज ओझा एवं विजय शर्मा के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस उपलब्धि पर बीईओ शहपुरा एमके राय, वीआरसीसी जीपी साहू, प्राचार्य यशवंत साहू, जिला सेपकटाकरा एसोसिएशन डिंडौरी के अध्यक्ष पीएस राजपूत, उपाध्यक्ष अश्विनी साहू, कैलाश रजक एवं शब्द साहू सहित जिले के खेलप्रेमियों ने बालिकाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

बोलेरो वाहन की टक्कर से तीन घायल, जिला अस्पताल में भर्ती

डिंडौरी। समनापुर थाना अंतर्गत कमकोमोहनिया में शनिवार की शाम पैदल जा रहे तीन लोगों को बोलेरो वाहन ने टक्कर मार दिया हादसे में घायल तीनों व्यक्तियों को जिला चिकित्सालय में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। अस्पताल चौकी पुलिस को दिये कथन में यशोदा पिता कल्याण सिंह मसराम उम्र 18 वर्ष निवासी बोधघुण्डी थाना समनापुर ने बतलाया कि अपनी नानी भद्दल बाई और चचेरी बहन शिवानी परस्ते के साथ देवरी दादर से पैदल-पैदल जलेगांव मडई घूमने जा रहे थे इसी दौरान दोपहर लगभग 3 बजे कमको मोहनिया में सिद्ध बाबा मोड पर समनापुर की तरफ से आ रही बोलेरो गाडी क्रमांक एमपी 50 सी 5796 के चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुये तीनों को टक्कर मार दिया।

बाइक हुई अनियंत्रित, चालक गिरकर घायल

डिंडौरी। गाडासरई थाना अंतर्गत ग्राम काटीगहन में एक नाला की पुलिया पर श्वान को बचाने के दौरान बाइक अनियंत्रित होने से उसमें सवार एक युवक गिरकर घायल हो गया जिसे उपचार के लिए स्वास्थ्य केन्द्र करंजिया में भर्ती कराया गया। अस्पताल चौकी पुलिस को दिये कथन में मिलन सिंह पिता पंचू सिंह श्याम उम्र 24 वर्ष निवासी मूसा मुंडी ने बतलाया कि शनिवार की शाम नई मोटरसाइकिल से वह अपने ग्राम मूसा मंडी से रूसा मड़ई घूमने जा रहा था इसी दौरान काटीगहन में एक नाला की पुलिया पर मोटर साईकिल के सामने अचानक एक श्वान आ गया जिसे बचाने के लिए ब्रेक लगाया तभी मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई।

वन ग्रामों में पट्टा सुधार के नाम पर किसानों की जमीन में कटौती का आरोप, बिझौरी में महापंचायत

जिले के वन परिक्षेत्र पूर्व करंजिया के ग्राम बिझौरी में ग्रामीणों ने एक महा पंचायत का आयोजन कर वनग्राम में काबिज किसानों ने भूमि में कटौती कर भू अधिकार पत्र जारी करने का आरोप लगाया है।

डिंडौरी।

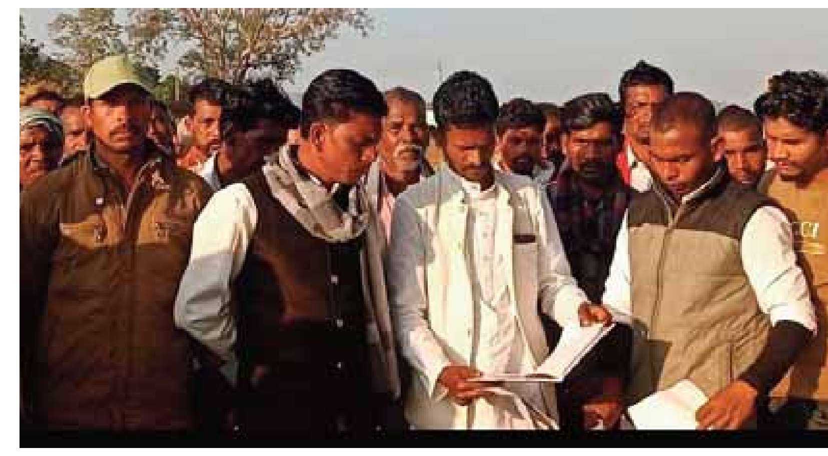

महापंचायत में बाओली, चैरादादर, खारीडीह सहित अन्य वन ग्रामों के ग्रामीण शामिल हुये हैं। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वनविभाग द्वारा लगभग 20 वर्ष पूर्व काबिज कास्तकारों को भूमि का पट्टा जारी कर दिया गया था लेकिन अब वर्षों बीत जाने के बाद वन विभाग द्वारा पट्टा सुधार का कार्य किया जा रहा है जिसमें किसानों की काबिज भूमि में कटौती किये जाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। साथ ही जारी कुछ भू अधिकार पत्र में कम भूमि दर्ज कर जारी किया गया है। इस बावद ग्रामीणों ने बतलाया कि उनके पूर्वज इस जमीन पर सैकड़ों साल से खेती कर रहे हैं तथा इसी से उनकी जीविका चलती है। लेकिन प्रशासन द्वारा उनकी काबिज भूमि में कटौती कर कम जमीन का अधिकार पत्र जारी किया जा रहा है। महापंचायत में शामिल हुये समाजसेवी महेन्द्र परस्ते ने बतलाया कि वनग्रामों में काबिज किसानों के साथ लगातार भेदभाव किया जा रहा है, और किसान जिस भूमि में वर्षों से काबिज है उनसे भूमि छीनने का प्रयास किया जा रहा है। एक ओर जहां वन अधिकार अधिनियम 2005 लागू हुआ था जिसके बाद किसानों ने राहत की सांस ली थी कि अब उन्हें वन भूमि से कोई दखल नहीं करेगा साथ ही काबिज भूमि का अधिकार पत्र भी उनकों प्रदान किया जायेगा, और शासन द्वारा यह कवायद शुरू भी की गई जिले में अनेकों किसान जो वन भूमि में काबिज थे उन्हें अधिकार पत्र प्रदान किया जा रहा है लेकिन एक ओर जहां किसानों को पट्टा दिया जा रहा है वहीं काबिज भूमि से कम रकवा का अधिकार पत्र प्रदान किया जा रहा है, जो किसानों के साथ भेदभाव है। इस बावद ग्रामीणों ने समय-समय पर सरकार और जिला प्रषासन को भी पत्राचार किया है, ग्रामीणों द्वारा बतलाया गया कि सर्वे और दावा आपत्ति प्रस्तुत करने के दौरान भी उनके द्वारा अवगत कराया गया कि कितनी भूमि में वह काबिज है और पीढी दर पीढी खेती करते आ रहे हैं ग्राम सभा में भी उन्होंने अपना पक्ष रख बतलाया है बावजूद इसके काबिज भूमि में कटौती कर पट्टा जारी किया जा रहा है। इस पूरे मामले को लेकर जिला कलेक्टर, वन मंडलाधिकारी, क्षेत्रीय विधायक सहित जनप्रतिनिधियों को आवेदन भी दिया जा चुका है लेकिन अब तक कोई नतीजा नहीं निकल पाया है।

त्रुटिपूर्ण पट्टे जारी करने का आरोप

महापंचायत के दौरान किसानों ने आरोप लगाया कि जो पट्टे जारी किये जा रहे हैं वह त्रुटिपूर्ण है किसान जितनी क्षेत्रफल में काबिज है वह पट्टा में नहीं दर्षाया गया है यदि कृषक तीन हेक्टेयर भूमि में कृषि कार्य कर रहा है उसे एक हैक्टेयर का ही पट्टा जारी किया गया है, जबकि सर्वे कार्य के दौरान वन विभाग एवं राजस्व अमला के द्वारा किसानों की उपस्थिति में माप किया गया था। तब यह भी बतलाया गया था कि किसानों को उनकी काबिज भूमि का अधिकार पत्र प्रदान किया जायेगा। लेकिन परिवार के मुखिया के नाम से जारी भू अधिकार पत्रक में भूमि की कटौती करने के साथ-साथ अधिकार पत्रकों में आश्रित सदस्यों का भी नाम दर्ज नहीं किया गया है, किसानों ने बतलाया कि मुखिया की मृत्यु होने के पष्चात भू अधिकार पत्रक में वारिसानों के नाम दर्ज कराने में परेषानी का सामना करना पडेगा। जबकि जारी पत्रक में आश्रितों के नाम का कॉलम भी दर्षाया गया है।

अनेक किसानों को नहीं मिला भू अधिकार पत्रक

बैठक के दौरान किसानों के द्वारा यह भी मांग रखी गई कि अनेकों वनग्राम में काबिज किसानों को भू अधिकार पत्रक अब तक प्राप्त नहीं हुआ है आवेदन के दौरान जिन ग्रामों में किसानों ने आवेदन व दावा आपत्ति प्रस्तुत किया है, उनमें काफी कम संख्या में किसानों को पट्टा जारी किया गया है। अनेकों किसान अपनी काबिज भूमि का अधिकार पत्र पाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। इसी तरह सामुदायिक वन अधिकार का पट्टा अब तक ग्रामीणों को नहीं मिल पाया है, जबकि वन ग्राम के ग्रामीणों द्वारा सभी तरह की खानापूर्ति करने के पष्चात आवेदन प्रस्तुत कर दिया गया है। ग्रामीणों की मांग है कि जिन किसानों को काबिज वन भूमि का पट्टा अब तक प्रदान नहीं किया गया है उसकी कार्रवाई पूरी कर भू अधिकार पत्रक प्रदान किया जाये तथा सामुदायिक वन अधिकार पत्र भी जारी किया जाये।

अधिकार पत्र में शामिल की जाये कटौती की भूमि

किसानों ने महापंचायत में बैठक के दौरान निर्णय लिया कि प्रषासन से मांग की जाये कि जिन किसानों को वन भूमि का अधिकार पत्र जारी किया गया है और जिन रकवा को अधिकार पत्र में शामिल नहीं किया गया है, उस भूमि को काबिज किसान के नाम दर्ज किया जाये तथा जारी अधिकार पत्र में रकवा शामिल किया जाये। बतलाया गया कि पूर्वजों ने उबड खाबड जमीन को कृषि योग्य बनाने के लिए दिन रात मेहनत की है तब जाकर बामुष्किल कृषि योग्य बन पाई है। लेकिन अब उन्हें उस भूमि से वंचित रखा जा रहा है। ऐसी स्थिति में उनके साथ नाइंसाफी की जा रही है, मांग की गई है कि वह जितनी भूमि में पूर्व से काबिज है उस संपूर्ण भूमि का अधिकार पत्र प्रदान किया जाये तथा जिन किसानों का भू अधिकार पत्र जारी किया गया है उसमें कटौती की गई भूमि को भी दर्ज किया जाये।

इनका कहना है

हम लोग अंग्रेजों के जमाने से खेती कर रहे हैं, हमारे गांव के दर्जनों ग्रामीणों के पट्टे से जमीन कम कर दी गई है, यह हम आदिवासियों के साथ अन्याय है हम सरकार से मांग करते हैं कि हमें न्याय दिलाया जाए।

यशवंत पाटले, ग्रामीण

वन अधिकार अधिनियम 2006 के अनुसार उन्हें जो भू अधिकार मिलना चाहिए उसमें उनके पट्टे पर सुधार किया गया है जिसके चलते उनके रकबे कम हो गये है, इसी संबंध में महापंचायत का आयोजन कर सामूहिक रूप से प्रषासन से निराकरण की मांग की जायेगी।

महेंद्र परस्ते, समाजसे

वीमुझे इस विषय में अभी तक जानकारी नहीं मिली है, मामला संज्ञान में आया है जिसकी जांच करके ही बता पाना संभव होगा

कौसंबी झा, वन परिक्षेत्र अधिकारी पूर्व

शीतलहर का असर, घने कोहरे में स्कूल पहुँचना मुश्किल

कलेक्टर ने घोषित की दो दिन की छुट्टी

डिंडोरी।

जिले में जारी शीतलहर और घने कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। सोमवार सुबह डिंडोरी अंचल में घना कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी 10 मीटर से भी कम दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस तक गिरने से ठंड का प्रकोप बढ़ गया। हालात ऐसे रहे कि अधिकांश स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति बेहद कम रही। सुबह के समय स्कूलों तक बच्चों को पहुंचाने वाले अभिभावकों की संख्या भी कम दिखाई दी। ठंड और गलन के कारण अभिभावकों ने प्रशासन से स्कूलों की छुट्टी घोषित करने की मांग की। सुबखार से तीन किलोमीटर दूर से बच्चे को स्कूल छोड़ने आए अभिभावक गोपाल दास बघेल ने बताया कि कड़ाके की ठंड में छोटे बच्चों को घर से बाहर निकालना जोखिम भरा है। उन्होंने स्कूल समय में बदलाव या एक सप्ताह की छुट्टी घोषित करने की मांग की स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सुबह ही तलब किया। सर्व शिक्षा अभियान सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी कलेक्टर बंगले पहुंचे। हालात की समीक्षा के बाद कलेक्टर ने सुबह 9 बजे आदेश जारी कर नर्सरी से कक्षा पांचवीं तक के सभी शासकीय व अशासकीय स्कूलों में सोमवार और मंगलवार दो दिन की छुट्टी घोषित कर दी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और यदि ठंड का असर इसी तरह बना रहा तो छुट्टियों की अवधि आगे भी बढ़ाई जा सकती है। अभिभावकों ने प्रशासन के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह छोटे बच्चों की सेहत और सुरक्षा के लिहाज से जरूरी कदम है।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने योजनाओं की प्रगति व विभागीय कार्यों की समीक्षा की

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर जिले में संचालित शासकीय योजनाओं, विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े मामलों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन सहित डिप्टी कलेक्टर एवं सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की गहन समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी माह में किसी भी विभाग की सीएम हेल्पलाइन नॉन-अटेंड नहीं होनी चाहिए। 50 दिवस से अधिक लंबित प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी दी गई। साथ ही 22 वनग्रामों को राजस्व ग्राम में परिवर्तित करने हेतु वनमंडल अधिकारी को निर्देश दिए गए।

बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों की लंबित घोषणाओं से संबंधित प्रगति प्रतिवेदन, प्रस्ताव एवं प्राक्कलन डीओ लेटर के माध्यम से उच्च अधिकारियों को भेजने के निर्देश दिए। "सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना" को सफल बनाने के लिए एसडीएम एवं तहसीलदारों को सौर ऊर्जा आधारित कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। नदी किनारे स्थित किसानों की भूमि पर सौर ऊर्जा से सिंचाई उपकरण स्थापित करने हेतु लगभग 1000 पात्र किसानों के आवेदन तैयार करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने आबकारी अधिकारी को अवैध मादक पदार्थों की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए। विकासखंड अमरपुर की ग्राम पंचायत चंद्रागढ़ में आयोजित रात्रि चौपाल में उठी आधार कार्ड, पेंशन, किसान सम्मान निधि, पेयजल, विद्युत एवं समग्र आईडी से जुड़ी समस्याओं के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की गई। जिन मामलों का निराकरण शेष है, उन्हें एक माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने समस्त एसडीएम को निर्देशित किया कि समनापुर, बजाग, करंजिया एवं शहपुरा विकासखंडों में निर्धारित हाट बाजारों में जैविक उत्पादों के हाट नियमित रूप से आयोजित किए जाएं, ताकि स्थानीय उत्पादों को उचित बाजार मिल सके।

बड़ी संख्या में साल के पेड़ जड़ सहित उखड़ कर गिरे

डिंडौरी।

बरसात के मौसम में आंधी-तूफान और तेज बारिश के कारण पश्चिम करंजिया वन परिक्षेत्र अंतर्गत पंडरी पानी क्षेत्र के जंगलों में बड़ी संख्या में साल के पेड़ जड़ सहित उखडकर गिरे हुए हैं, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी वन विभाग द्वारा इनकी कोई समुचित व्यवस्था नहीं की जा रही है। मुख्य वन मार्ग सहित जंगल के भीतर जगह-जगह गिरे पड़े भारी भरकम साल के पेड़ आज भी लावारिस हालत में पड़े हैं। सड़क किनारे और जंगल के भीतर कई पेड़ जमीन पर आड़े-तिरछे पडे हुए हैं, जिससे न केवल वन मार्ग संकरा हो गया है बल्कि वन्य क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन पडे हुए पेड़ों में कीमती जलाऊ और इमारती लकड़ी मौजूद है, जो या तो जंगल में ही सड़-गलकर नष्ट हो रही है अथवा लकड़ी माफियाओं के हत्थे चढ़ने का खतरा बना हुआ है। बावजूद इसके वन विभाग द्वारा न तो लकड़ी का संग्रहण किया जा रहा है और न ही उसका कोई वैधानिक उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ महीने उपरांत गर्मी का मौसम प्रारंभ होने वाला है और इस समय जंगलों में आग लगने का खतरा भी मंडराने लगता है, ऐसे में जंगलों में बेतरतीब ढंग से पड़ी ईमारती लकडी सहित जलाऊ लकड़ियों का भी आग के हवाले हो जाने का खतरा है जिसके कारण शासन को लाखो रूपये के नुकसान की आषंका बनी हुई है। वन विभाग की इस लापरवाही और उदासीनता के कारण न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान हो रहा है, बल्कि भविष्य में अवैध कटाई और तस्करी की घटनाओं को भी बढ़ावा मिल सकता है। यदि इन पडे हुए पेड़ों की समय रहते नीलामी या व्यवस्थित उपयोग किया जाए तो विभाग को अच्छी-खासी राजस्व प्राप्ति हो सकती है। वन अंचल के ग्रामीणों ने मांग की है कि वन विभाग जल्द से जल्द पडे हुए साल के पेड़ों का सर्वे कर उचित प्रबंधन करे, ताकि वन संपदा की रक्षा के साथ-साथ सरकारी नुकसान को भी रोका जा सके।

इनका कहना है

सर्वे की प्रक्रिया करा दी गई है गणना चल रही है।

एचएल सनोडीया रेंजर पश्चिम करंजिया

गणतंत्र दिवस आयोजन को लेकर हुई प्रशासनिक बैठक

डिंडौरी।

आगामी 26 जनवरी 2026 को मनाए जाने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर जेपी यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिण्डौरी भारती मेरावी, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर अक्षय डिगरसे, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक, डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि 26 जनवरी को सभी शासकीय कार्यालयों में विद्युत प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। सभी कार्यालयों में प्रातः 7:30 बजे कार्यालय प्रमुखों द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा तथा इसके पश्चात सभी अधिकारी एवं कर्मचारी प्रातः 8:30 बजे तक मुख्य समारोह स्थल पुलिस ग्राउंड डिंडोरी में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर समस्त जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों को सम्मान पूर्वक आमंत्रित किया जाएगा। समारोह स्थल की तैयारी, पंडाल, माइक, साज-सज्जा, बेरिकेडिंग, जनरेटर एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था लोक निर्माण विभाग, नगर परिषद, विद्युत विभाग एवं पुलिस विभाग के समन्वय से की जाएंगी। समारोह में जनप्रतिनिधियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, लोकतंत्र सेनानियों, पत्रकारों, महिला अतिथियों तथा अधिकारियों के बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य समारोह स्थल पर एसएएफ, जिला पुलिस बल, होमगार्ड, एनसीसी, शौर्यदल एवं कोटवारों द्वारा परेड का आयोजन किया जाएगा, जिसका अभ्यास पुलिस एवं होमगार्ड के मार्गदर्शन में कराया जाएगा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर विद्यालयीन छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रमों में गरिमापूर्ण एवं देशभक्ति गीतों का चयन किया जाएगा तथा रिमिक्स गीतों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विभागीय झांकियां भी निकाली जाएंगी, जिनकी थीम का अनुमोदन कलेक्टर द्वारा किया जाएगा। मुख्य समारोह की उद्घोषणा चयनित अधिकारियों द्वारा की जाएगी तथा समारोह स्थल पर स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई एवं प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए एंबुलेंस एवं चिकित्सक की तैनाती भी की जाएगी। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में मिष्ठान वितरण की व्यवस्था की जाएगी तथा उत्कृष्ट परेड, सांस्कृतिक दलों एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान प्रदान किया जाएगा। और कार्यक्रम समापन के बाद मुख्य अतिथि, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अमला सहित विद्यालय में मध्यान्ह भोजन में सम्मिलित होंगे। मुख्य समारोह स्थल पर प्रातः 9:00 बजे माननीय मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा तथा मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया जाएगा। जनपद, ग्राम पंचायत, नगर परिषद एवं शिक्षण संस्थाओं में भी विधिवत ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 26 जनवरी की संध्या 6:00 बजे से भारत पर्व के अंतर्गत सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। बैठक के अंत में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी गणतंत्र दिवस एवं भारत पर्व कार्यक्रमों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर समारोह को पूर्ण गरिमा, अनुशासन एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न कराएं।

खबर संक्षेप

तामिया रेंज में वन्य प्राणियों की दहशत, तेंदुए ने किया सात बकरियों और एक गाय का शिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तामिया

तामिया रेंज की तामिया बीट के आसपास तेंदुआ द्वारा लगातार पिछले दो माह से आतंक मचाया जा रहा है, जिसके चलते ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है, वहीं वन विभाग द्वारा तेंदुए के मूवमेंट पर नजर नहीं रखी जा रही है, जिसके नतीजन तेंदूऐ ने जंगल क्षेत्र से लगे गांव में पहले एक गाय शिकार किया।

बीते दो दिनों पूर्व तामिया पंचायत के ग्राम चौर पठार में तेंदुए ने किसान के खेत के पास बैठी बकरियों पर हमला किया। इस दौरान तेंदुए द्वारा सात बकरियों और एक गाय का शिकार किया जिससे प्रतीत होता है कि तेंदुओं की संख्या अधिक हो सकती है, जिस कारण क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है। वन विभाग ने घटना स्थल का जायजा लिया एवं ग्रामीणों को समझाईस भी दी एवं मुआवजा संबंधी प्रकरण भी बनाया गया। एवं ग्रामीणों को सतर्क रहने चेताया सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी गई, लेकिन आखिर तामिया से लगे गांव के पास तेंदुआ किस कारण आ रहा है। इस और कोई विभाग द्वारा गौर नहीं की गई। ऐसा ग्रामीणों का मानना है क्योंकि कुआं बादला सर्कल के जंगलों में बरसों से वन प्राणी ग्रामीणों द्वारा देखे जाते रहे हैं! लेकिन इस क्षेत्र में कुछ वर्षों से लगातार रेत के वाहन जंगल एवं उसे लगी नदियों में रात में जाते रहते हैं जिनके शोर गुलशन से परेशान होकर वो अपना ठिकाना बदलने मजबूर है क्योंकि इस क्षेत्र में चीतल भेड़की हिरण का शिकार कर पेट भरते थे, लेकिन इसी के चलते वन प्राणी जंगल के और भीतर चले गए जिस कारण तेंदुए को मजबूरन पालतू पशुओं का शिकार करना पड़ा जिसका परिणाम यह हुआ कि एक गाय और पांच बकरी का शिकार इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। वहीं लोगों का यह मानना है कि तामिया के जंगलों में लोगों की कैंपिंग, कैंफायर जैसी गतिविधियां होती थी, उसका भीअसर ग्रामीण कारण मानते हैं। अब जाकर वन विभाग ने प्राप्त जानकारी के अनुसार जंगल में कैंपिंग करने वाले एवं पर्यटकों के रूप में प्रवेश करने वाले लोगों को जंगल में प्रवेश की मनाही की। यदि उल्लेखित कार्य विभाग द्वारा पूर्व में किए गए होते तो तेंदुए को पालतू पशु का शिकार करने मजबूर नहीं होना पड़ता। गनिमत यह रही कि तेंदुए का कोई नागरिक शिकार नहीं हुआ। इस तरह वन विभाग के बजाय तेंदुए की दहशत से जंगल में प्रवेश रुक सका है।

कांग्रेस ने नारेबाजी व प्रदर्शन कर भाजपा का जमकर बजाया "घंटा"

छिन्दवाड़ाः- भाजपा सरकार के जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान की धज्जियां ड़ चुकी है। देश के सबसे स्वच्छ शहर में सबसे बड़ी गंदगी फैलाने वाली भाजपा ने 15 निर्दोष लोगों की जान ले ली। सरकार के नगरीय प्रशासन मंत्री ने ना तो दुख व्यक्त किया ना ही अपनी नाकामी की जिम्मेदारी ली, उल्टे अशोभनीय टिप्पणी कर जनता का अपमान किया। नगरीय प्रशासन मंत्री के अमर्यादित बयान और निर्दोष लोगों की मौत से आक्रोशित कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया। शहर कांग्रेस के तत्वावधान में अम्बेड़कर तिराहा पर कांग्रेस ने नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन कर भाजपा का जमकर घंटा बजाया। सरकार के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की बदजुबानी के खिलाफ आक्रोशित कांग्रेस के प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि भाजपा के मंत्री अपनी जुबान पर लगाम लगाएं अन्यथा जनता के साथ मिलकर कांग्रेस ऐसी बदजुबानी पर ताला लगाएगी।

जिला पंचायत सीईओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कांग्रेस का अनिश्चितकालीन धरना प्रारंभ

अधिकारी का आचरण आम आदमी के सम्मान के खिलाफ - सुनील जायसवाल

जिले को अपमानित करने वाले अधिकारी को मिल रहा है भाजपा का संरक्षण - सुनीता पटेल

अधिकारी अपने को सर्वेसर्वा न समझे, ऐसे अधिकारियों को हमें सीधा करना आता है - सुरेंद्र पटेल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बरमान रेत घाट पर जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र सिंह नागेश एवं एक कर्मचारी द्वारा एक बुजुर्ग और एक युवा के साथ अभद्रता, गाली गलौज एवं मारपीट किए जाने की घटना को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों ने सोमवार को पूर्व घोषणा अनुसार नरसिंह भवन के समक्ष विरोध प्रदर्शन करते हुए जिला पंचायत सीईओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर धरना प्रारंभ कर दिया।

धरना स्थल पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने कहा कि इतने विरोध के बावजूद भी तानाशाही नही छोड़ रहे हैं ऐसा प्रतीत होता है कि जिले को अपमानित करने वाले अधिकारी को संरक्षण मिल रहा है। किंतु हम सब सभी के सहयोग से ऐसे अधिकारी को सबक सिखाएंगे। पूर्व विधायक सुनील जायसवाल ने कहा कि अधिकारी का आचरण आम आदमी के सम्मान के खिलाफ है। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत ने कहा कि जिद छोड़कर जिला प्रशासन चाहे तो मामले का हल हो सकता है। जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष लाखन सिंह पटेल ने आरोप लगाया कि भाजपा के संरक्षण में अधिकारी मनमर्जी से काम कर रहे हैं किंतु हम आम आदमी के साथ अत्याचार को बर्दाशत नहीं करेंगे। कांग्रेस के प्रदेश पदाधिकारी दीवान शैलेंद्र सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में अधिकारी जनता के प्रति जिम्मेदार होते हैं । मांझी समाज के अमर नोरिया ने आरोप लगाया कि जिले के कई अधिकारियों के तानाशाही रवैये से आम आदमी अपमानित होता है। जिले में अराजकता का माहौल है। वरिष्ठ नेता सुरेंद्र पटेल ने कहा कि अधिकारी अपने को सर्वेसर्वा न समझे, ऐसे अधिकारियों को हमें सीधा करना आता है। पूर्व जनपद अध्यक्ष चैधरी प्रदीप रघुवंशी ने जिला सीईओ की कार्यप्रणाली की लोकतंत्र के विरोध बताया। वरिष्ठ नेता गौतम पटेल ने कहा कि अफसोस है कि जिले में भ्रष्टाचार और अराजकता बनी हुई है । नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष रूद्रेश तिवारी ने कहा कि जिले की जनता सम्मान चाहती है यहां किसी को डराया धमकाया नहीं जा सकता।

इस मौके पर संतोष पटेल, मनीष साहू, जिनेश जैन, अनीता जायसवाल, धनीराम पटेल, देवेंद्र शुक्ला, द्वारका राजपूत, दिग्विजय सिंह, छोटे राजा कौरव, रामरतन पटेल, ओम प्रकाश पटेल, लखन पटेल, राधा बाई अहिरवार, अतुल चैरसिया, विवेक पटेल, प्रियंका दिक्षित, आरती पटेल, सतीश सेनी, राजीव दुबे, अभिषेक कौरव, सिया चैकसे, सोहन रैकवार आदि ने भी जिला पंचायत सीईओ के आचरण की निंदा की।

अधिकारी सौंपे गए दायित्वों का समय सीमा में निर्वहन करें

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट नरसिंह भवन के सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर ने टीएल पत्रों और आयोग से प्राप्त विभिन्न पत्रों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने मकर संक्रांति के अवसर पर प्रतिवर्ष लगने वाले बरमान मेला की तैयारियों के संबंध में समीक्षा की और आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जो दायित्व अधिकारियों को सौंपे गए हैं, उनका समय सीमा में अपने दायित्वों का निर्वहन करें। सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की विभागवार समीक्षा करते हुए कहा कि शिकायतों का निराकरण गुणवत्तापूर्ण और समाधानकारक होना चाहिए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि समस्याओं को प्राथमिकता के साथ निराकरण करें। उन्होंने आयुष्मान की भी समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। श्रम विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने संबल योजना से जुड़े आवेदनों, उनके निराकरण तथा अनुग्रह सहायता प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की। जिले में किसानों के लिए खाद वितरण की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में शासकीय अधिकारी- कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कहा कि लंबित पेंशन प्रकरणों पर शीघ्र कार्यवाही करें, ताकि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर लाभ मिल सके। कलेक्टर ने जिले में नर्मदा पथ, आयुष विभाग और नगरीय क्षेत्रों में वॉटर ट्रीटमेंट के कार्यों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने किया जैविक प्राकृतिक हाट बाजार का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर ने सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित सुभाष पार्क के पास जिला पंचायत काम्लेक्स में लगाए गए जैविक प्राकृतिक हाट बाजार का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां जैविक उत्पादकों से रूबरू चर्चा कर विभिन्न उत्पादों को क्रय किया। इस दौरान उप संचालक कृषि मौरिस नाथ सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि जिले में प्राकृतिक एवं जैविक खेती के उत्पादों को उचित मार्केट मिल सके, इस उद्देश्य से जैविक प्राकृतिक हाट बाजार सोमवार को लगाया गया। इस हाट बाजार में जिले के एफपीओ एवं स्वसहायता समूहों की महिलाओं व प्रतिनिधियों ने अपने स्टॉल लगाए। जिले के नागरिकों व अधिकारी- कर्मचारियों ने भी जैविक उत्पादों का क्रय किया। साथ ही आम नागरिकों ने उत्पादों के क्रय में अपनी विशेष रूचि दिखाई। उप संचालक मौरिस नाथ ने बताया कि जैविक प्राकृतिक हाट बाजार में जैविक गेहूं, चना दाल, अरहर दाल, मूंग दाल, जैविक चावल, जैविक गुड़, जैविकध्प्राकृतिक सब्जियों में ककड़ी, मटर, बरबटी, मैथी, लाल भाजी, लौकी, तुरई,

वैगन, अदरक, टमाटर, आलू, शकरकंद आदि और फलों में पपीता, केला, आम, अमरूद, नीबू, चीकू, बिनोला घी के साथ फसल अवशेषों से निर्मित शुद्ध प्राकृतिक जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट खाद आदि की विक्रय के लिए प्रदर्शनी लगाई गई। जिले के समस्त कृषकों, स्वसहायता समूहों, एफपीओ को उचित दाम मिल सके, इसके लिए यह नवाचार किया जा रहा है। उक्त बाजार सप्ताह में दो दिवस प्रति सोमवार एवं गुरूवार को लगाया जावेगा।

ग्राम नयागांव और भौरझिर में शासकीय भूमि को किया अतिक्रमण मुक्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर के निर्देशन में राजस्व निरीक्षक मंडल बोहानी के ग्राम नयाखेड़ा में शासकीय रास्ता मद की भूमि और ग्राम भौरझिर में शासकीय चारागाह मद की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया। ग्राम नयागांव राजस्व निरीक्षक मंडल बोहनी में शासकीय रास्ता मद की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित शौचालय तथा चबूतरे को जेसीबी की सहायता से अतिक्रमण मुक्त कर ग्राम पंचायत को सौंपी। इसी तरह ग्राम भौरझिर राजस्व निरीक्षक मंडल बोहनी मे शासकीय चारागाह मद की भूमि पर फसल लगाकर किए गए 35 एकड़ अतिक्रमित शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर ग्राम पंचायत को सौंपी। कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार बोहनी नीलम श्रीवास, गाडरवारा थाना प्रभारी विक्रम रजक, चैकी प्रभारी सिहोरा विजय पाल सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे।

निशुल्क आवासीय कम्प्यूटर प्रशिक्षण लेने के लिए आवेदन लिए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। निदेशक सेंट आरसेटी नरसिंहपुर अनामिका मल्ल ने बताया कि सेंट आरसेटी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्था नरसिंहपुर में कम्प्यूटर प्लस टेली का आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों के लिए आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आवेदकों से 8 जनवरी 2026 तक आवेदन और साक्षात्कार लिए जाएंगे। इसके उपरांत 8 जनवरी से प्रशिक्षण प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को स्टेशनरी, 3 टाइम चाय, नास्ता, दो टाइम भोजन एवं आवास की सुविधा, सर्टीफाई ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण निशुल्क प्रदान किए जाएंगे। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले आवेदक की आयु 18 वर्ष से 45 वर्ष के बीच होना चाहिए। कम्प्यूटर प्लस टेली के साथ- साथ विभिन्न खेल के माध्यम से व्यापार में जोखिम लेना, गुणवत्ता, आत्मविश्वास, बीमा की जानकारी, वित्तीय जागरूकता के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

किसान आंदोलन यात्रा आज

तेंदूखेड़ा जिला किसान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष पटेल से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी जी एवं प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान के आव्हान पर संपूर्ण प्रदेश में 5 जनवरी से किसान जन आंदोलन यात्रा निकाली जा रही है। जिसके अनुसार ही नरसिंहपुर जिले में इस यात्रा की शुरूआत आज 6जनवरी मगंलवार को तेन्दूखेडा विधान सभा क्षेत्र के ग्राम काशीखैरी से तेन्दूखेडा पूर्व विधायक संजय शर्मा की अध्यक्षता मे जिला कांग्रेस नरसिंहपुर की अध्यक्ष श्रीमति सुनीता पटैल एवं दीवान शैलेन्द्र सिंह के आतिथ्य में किया जा रहा है। किसान कांग्रेस के बैनर तले क्षेत्र के बरिष्ठ कांग्रेस नेताओ द्वारा किसानो की समस्याओं ज्वलंत मुद्दों को गांव गांव जाकर रखा जाएगा। जिसमे कांग्रेस के सभी संगठन और प्रकोष्ठों के कांग्रेस कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों उपस्थिति की अपील जिला कांग्रेस के अध्यक्ष संतोष पटेल ब्लाक किसान कांग्रेस के विपिन सिंह राजपूत ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

कलेक्टर ने अनुकंपा नियुक्ति आदेश सौंपे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बुधवार को 5 नागरिकों को अनुकंपा नियुक्ति आदेश सौंपे। कलेक्टर द्वारा जिन नागरिकों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपे, उनमें गोटेगांव तहसील के ग्राम रोहिया (पटि) पो. मुंगवानी के रत्नेश धुर्वे आ. स्व. प्रकाश सिंह धुर्वे, नरसिंहपुर तहसील के ग्राम सिंहपुरबड़ा के दिव्यम शर्मा आ.स्व. नंदकिशोर शर्मा, किसानी वार्ड नरसिंहपुर की श्रीमती आशी जाट पति स्व. अजीत जाट, संजय वार्ड नरसिंहपुर के ऋषि पटेल आ.स्व. हरिओम पटेल और सुश्री पूजा कहार मां.स्व. श्रीमती भागवती बाई कहार को अनुकंपा नियुक्ति आदेश सौंपे गए।

श्रीगीता निकुञ्ज आध्यात्मिक संस्थान का मिलन समारोह संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। माँ नर्मदा के पावन तट पर स्थित ऐतिहासिक एवं पौराणिक तीर्थ ब्रह्माण्ड घाट नर्मदा तट बरमान में श्रीगीता निकुञ्ज आध्यात्मिक संस्थान का त्रेमासिक अनौपचारिक मिलन समारोह कार्यक्रम श्रद्धा-भक्ति,सेवा और साधना भाव के साथ संपन्न हुआ।

श्रीगीता निकुञ्ज परिवार के अंतर्गत नियमित एवं नैमित्तिक गतिविधियों जैसे रात्रि कालीन 9 बजे से 10 बजे तक प्रतिदिन ऑनलाइन श्रीमद्भगवद्गीता जी का अध्ययन-अध्याप,साधक परिवार में पाक्षिक(रविवार) प्रत्यक्ष सत्संग जहाँ श्रीमद्भगवद्गीता जी के एक श्लोक का अनुवाद व भावार्थ के साथ चर्चा की जाती है तथा त्रेमासिक अनौपचारिक मिलन कार्यक्रम जिसके अन्तर्गत साधकों द्वारा स्वच्छता,पर्यावरणीय गतिविधियों के साथ समरसता भोज व आध्यात्मिक चर्चा सहित कुटुम्ब में भारतीय संस्कृति का प्रगटीकरण जैसे सामूहिक भोजन,भजन एवं समूहितक भृमण में परिवार जनों की सहभागिता व वेश-भूशा तथा स्वभाषा के प्रयोग इत्यादि विषयों की चर्चा की जाती है और वर्ष में एक बार दो-दिवसीय आवासीय वर्ग का आयोजन किया जाता है,जहाँ साधक वर्ष भर की गतिविधियों की कार्ययोजना तैयार करने के साथ पूर्व कार्यों व गतुविधियों का विहंगम अवलोकन,सिंहावलोकन तथा आत्मावलोकन द्वारा किया जाता है,इसी क्रम में यह त्रेमासिक अनौपचारिक मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसका शुभारम्भ प्रातः माँ नर्मदा के तट सूरजकुण्ड में स्वच्छता अभियान चलाकर सभी साधकों ने श्रमदान कर घाट को स्वच्छ किया। श्री राम जानकी बड़ा मंदिर बरमानकला के परम पूज्यनीय महामंडलेश्वर 1008 श्रीसीतारामदास त्यागी जी महाराज ने अपने आशीर्वचन स्वरूप कहा कि इस प्रकार के आयोजन, साधकों को आध्यात्मिक चिंतन-शान्ति, सेवा-भक्ति और आपसी सौहार्द भाव से जोड़ते हैं।

अतिथि शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा मध्यप्रदेश के अतिथि शिक्षकों ने एक बार फिर अपनी भविष्य को लेकर सरकार के समक्ष गंभीर चिंता व्यक्त की है। विगत दिवस आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के बैनर तले प्रदेश भर के अतिथि शिक्षकों की ओर से राज्यपाल मुख्यमंत्री एवं जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन भेज कर वर्षों से लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय की मांग की गई है। विगत दिनों नरसिंहपुर के जनपद मैदान से कलेक्ट्रेट कार्यालय तक अतिथि शिक्षकों ने रैली निकालकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। रैली के समापन पर कलेक्ट्रेट कार्यालय में जाकर नायब तहसीलदार महोदय को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षक मौजूद रहे। अतिथि शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष शिवकुमार सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते 17 18 वर्षों से अतिथि शिक्षक स्कूल शिक्षा विभाग एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के अंतर्गत पूरी निष्ठा व ईमानदारी से सेवाएं दे रहे हैं। लेकिन आज भी उनका भविष्य असुरक्षित बना हुआ है। हाल ही में राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिए तीन अलग-अलग कैडर स्वीकृत किए गए। परंतु अतिथि शिक्षकों को किसी भी के कैडर में शामिल नहीं किया गया। जिससे उनमें सेवा से बाहर किए जाने भय और असंतोष बढ़ गया ह अतिथि शिक्षकों की प्रमुख मांगों में कार्यानुभव एवं वरिष्ठता के आधार पर अतिथि शिक्षकों का सेवाकाल 12 माह एवं 62 वर्ष तक सुरक्षित किया जाए। वर्तमान में सेवा से पृथक अतिथि शिक्षकों को रिक्त पदों पर समायोजित किया जाए। अतिथि शिक्षक महापंचायत में की गई घोषणा के अनुसार शिक्षक भर्ती में

प्रतिवर्ष 4 बोनस अंक अधिकतम 20 अंक जोड़े जाए। कार्यानुभव व वरिष्ठता के आधार पर विभागीय परीक्षा आयोजित की जाए। कैबिनेट में पारित प्रस्ताव के अनुसार अतिथि शिक्षकों को संविदा कैडर में शामिल किया जाए। हरियाणा मॉडल अतिथि शिक्षक विधेयक 2019 एवं छत्तीसगढ़ मॉडल 12 माह 62 वर्ष को मध्यप्रदेश में लागू किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा वर्ष 2018 में लिखे गए पत्र की भावना के अनुरूप अतिथि शिक्षकों को संविदा शिक्षक बनाया जाए। अतिथि शिक्षक संघ ने सरकार से मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सकारात्मक पहल नहीं हुई तो प्रदेश भर में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से अतिथि शिक्षक संघ से जिला अध्यक्ष शिवकुमार सोनी उपाध्यक्ष बृजेंद्र नेमा ब्लॉक अध्यक्ष सचिन शर्मा दीपक कुर्मी विपिन लाघिया घनश्याम चौधरी युवराज पटेल टीकाराम साहू प्रदीप कुमार मदारे विजय नेमा राजकुमार लोधी मुकेश कुमार दुबे जितेंद्र रजकार सुनील विश्वकर्मा संतराम राजकुमार लोधी नीरज जैन कृष्ण कुमार पटेल महेंद्र चौधरी इत्यादि अतिथि शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उपार्जित धान की सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि राज्य शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025- 26 में उपार्जित धान की असमायिक वर्षा से सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा- निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जारी आदेश के मुताबिक समिति स्तरीय उपार्जन केन्द्रों पर भंडारित धान का त्वरित परिवहन कराकर गोदामों में सुरक्षित भंडारण कराया जाए। आवश्यक हो, तो धान परिवहन के लिए अतिरिक्त ट्रक भी लगाए जाएं। उपार्जन केन्द्र पर स्लॉट बुकिंग कराकर धान विक्रय के लिए मौजूद किसानों की धान की तौल शीघ्रता से कराने और उपार्जन केन्द्र पर अतिरिक्त तौल कांटे एवं हम्मालों तुलावटी की व्यवस्था समिति के माध्यम से की जाए। गोदाम स्तरीय उपार्जन केन्द्रों पर उपार्जित धान को उपार्जन दिवस में ही गोदाम में भंडारण कराना सुनिश्चित किया जाए। समिति स्तरीय केन्द्रों पर भी यथासंभव कवर्ड स्थान पर धान खरीदी की जाए, ताकि उपार्जित धान को बारिश से बचाया जा सके।